तर्ज-मेरे दिलबर तेरा मुस्कुराना

मेरे महबूब तेरी निगाहें,इश्क आब रूहों के लिए है
तेरी प्यार भरी इक नजर से,दिल ये रूहों के घायल हुए हैं

1- जुस्तजु प्यार की ही तो है ये,
नूरी नजरों में डूबी हैं रूहें
तेरी नजरें इनायत मेहेरबां,हमको मस्त बनाए हुए है

2- मेरे दिलबर की इक मुस्कुराहट,
दिल में देती है रूहों के दस्तक
ये तो है इप्तदाए निसवत,दिल को अर्श बनाये हुए है

3- इस्क छलके है अंगो से जिनके,
नख से शिख तक है ऐसी नजाकत
मेरे दुल्हा के ऐसे हैं जलवे,हम तो उनके ही कायल हुए हैं

4- अपने दिलबर के जलवों का वर्णन,
करना चाहूं भी तो कर न पाऊं
ऐसे हैं यह नजारे पिया के,हम तो दिल में छुपाए हुए हैं

Nijanand App